प्रेषक,

डा. आर.एस. टोलिया,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त.

सेवा में,

समस्त मुख्य विकास अधिकारी
उत्तरांचल.

वन एवं ग्राम्य विकास शाखा : देहरादून : दिनांक अक्टूबर 4, 2001

विषय: प्रदेश की भांति जनपदों में भी कपार्ट कार्यक्रम सहयोग एवं समन्वय समिति का गठन.

महोदय,

कृपया शासन के पत्र संख्या 694 / वन एवं ग्रा.वि.शा. दिनांक अगस्त 1, 2001 का पुनः अवलोकन करें, जिसके द्वारा जनपदों में भी कपार्ट कार्यक्रम सहयोग एवं समन्वय समिति का आपकी अध्यक्षता में गठन कर अपेक्षा की गई थी कि जनपद स्तर पर भी प्रदेश की भांति यह समिति स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन, जनपदों में एन. जी.ओ. का चयन तथा अन्य विकास कार्यक्रमों में रुचि लेते हुए कार्य करेगी। किन्तु ज्ञात हुआ है कि कई जनपदों में अभी तक समिति का विधिवत गठन ही नहीं किया गया है. इस समिति में 5 स्वयं सेवी संस्थाओं को सम्मिलित करने का प्राविधान किया गया था, साथ ही जनपद के लीड बैंक अधिकारी, डी. डी.एम. नाबार्ड तथा एकर एन.जी.ओ. को सदस्य के रूप में नामित किया गया था. किसी भी जनपद से समिति का गठन तथा कार्यवृत्त प्राप्त नहीं हुए हैं. आप सभी अवगत हैं कि आपरेशन एस.एच.जी. के रूप में प्रदेश सरकार ने एक अत्यन्त महत्वाकांक्षी परियोजना तैयार की है, जिसके अन्तर्गत हर ग्राम में एक स्वयं सहायता समूह गठित करने हेतु प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है.

मेरी अपेक्षा है कि आप तत्काल उक्त समिति को क्रियाशील करें ताकि ग्राम स्तर पर जहां स्वयं सहायता समूह के गठन में स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त किया जा सकेगा वहीं बैंक स्तर से समुचित आर्थिक सहायता भी इन समूहों को उपलब्ध कराई जा सकेगी साथ ही क्षेत्र में आने वाली कार्यक्रम क्रियान्वयन संबंधी कठिनाइयां भी दूर हो सकेंगी।

माह अक्टूबर, 2001 की मासिक समीक्षा बैठक में एस.एच.जी. की समीक्षा के साथ–साथ उक्त समन्वय समिति गठित करने की समीक्षा भी की जायेगी.

भवदीय

(डा. आर.एस. टोलिया)
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त